प्रेस विज्ञप्ति

23 जून 2021

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के पुण्य तिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक मे किया गया।
इस अवसर पर ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की 6 जुलाई 1901 को कलकत्ता के अत्यंत प्रतिष्ठित परिवार मे जन्म हुआ, उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे एव शिक्षाविद के रूप मे विख्यात थे।

डॉ मुखर्जी 1917 मे मैट्रिक किया तथा 1921 मे बी. ए. की उपाधि प्राप्त की,1923 मे लॉ की उपाधि अर्जित करने के पश्चात् वे विदेश चले गये और 1926 मे इंग्लैंड से बैरिस्टर बनकर स्वदेश लौटे। अपने पिता का अनुसरण करते हुए अल्पायु मे ही विद्याअध्ययन के क्षेत्र मे उल्लेखनीय सफलताये अर्जित कर ली थी।33वर्ष की अल्पायु मे वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने।एक विचारक तथा प्रखर शिक्षाविद के रूप मे उपलब्धि तथा ख्याति निरंतर आगे बढ़ती रही।
डॉ श्यामाप्रासाद मुख़र्जी ने स्वेचक्षा से अलख जगाने के उद्देश्य से राजनीती मे प्रवेश किया। डॉ मुख़र्जी सच्चे अर्थो मे मानवता के उपासक और सिद्धांतवदी थे।

डॉ मुख़र्जी इस धारणा के प्रबल समर्थक थे कि सांस्कृतिक दृस्टि से हम सब एक है, इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे।
डॉ मुख़र्जी जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झंडा और अलग संबिधान था। संसद

मे अपने भाषण मे डॉ मुख़र्जी ने धारा -370 को समाप्त करने कि जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 मे जम्मू की विशाल रैली मे उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था की या तो मै आपकी भारतीय संबिधान प्राप्त कराऊंगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान करदूंगा। अपने संकल्प को पूरा करने के लिए 1953 मे वे बिना परमिट लिए जम्मू कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहा पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर नजरबंद कर लिया गया।23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्तिथि मे उनकी मृत्यु हो गयी।

आज डॉ मुख़र्जी जी के पुण्य तिथि पर रक्त दान करने वाले सभी रक्तदाताओं का ब्लड बैंक ह्रदय से आभार ब्यक्त करता है।

श्री अमरनाथ, राजेश, रजत अग्रवाल, दीपक,महेंद्र, सुनील, राजेश वर्मा इत्यादि समेत लगभग 10 लोगों ने रक्तदान किया।

सभी रक्तदाताओ को ब्लड बैंक द्वारा सम्मान पत्र मास्क इत्यादि दिया गया। उस दौरान कोविड प्रोटोकॉल का अक्षरशः अनुपालन किया गया